International Journal of Humanities and Social Science Research
www.socialsciencejournal.in
ISSN: 2455-2070
Received: 09-07-2023, Accepted: 25-07-2023, Published: 10-08-2023
Volume 9, Issue 4, 2023, Page No. 49-51

महिला सशक्तिकरण की अभिनव पहल सांसद आदर्श ग्राम योजना

कुलदीप चतुर्वेदी[1], सोना शुक्ला[2], अखिलेश कुमार शर्मा[3]

[1] सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, राजीव गाँधी शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़, भारत

[2] प्रोफेसर, प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, ओ.एस.डी. (रूसा) उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल, भारत

[3] प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, हमीदिया कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल, भारत

सारांश

स्वामी विवेकानंद ने कहा कि "महिलाओं की स्थिति में सुधार के बिना विश्व का कल्याण संभव नहीं है क्योंकि पंछी के लिए एक पंख से उड़ना मुश्किल है'' अर्थात मानव रूपी पंछी के दो पंख पुरुष व महिला है, विश्व में लम्बे समय से लिंग के आधार पर महिलाओं के साथ नकारात्मक विभेद किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उनकी सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक प्रस्थिति दोयम दर्जे की हो गई परिवार व समाज के लिए आश्रित बन गई, परंतु राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए महिला सशक्तिकरण एक अनिवार्य शर्त है महिलाओं के चहुँमुखी विकास को सुनिश्चित करने में श्सांसद आदर्श ग्राम योजना ''की प्रभावी भूमिका रही है, योजना के अंतर्गत महिलाओं में, नेतृत्व क्षमता, आर्थिक स्वावलंवन व कौशल उन्नयन, शिक्षा के साथ स्वास्थ्य के बेहतर प्रयास किए गए, जिससे महिलाओं की स्थिति में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन परिलक्षित होते है, महिलाएँ समाज का नेतृत्व करते हुए समाज को नई राह दिखाने में समर्थ व सक्षम प्रतीत होती है, जो आधुनिक सभ्य समाज का प्रतीक है।

मूल शब्द: महिला सशक्तिकरण, सांसद आदर्श ग्राम योजना, स्वावलंबन, स्वसहायता समूह, कौशल विकास

महिलाओं का सशक्तिकरण एक सर्वांगीण एवं बहुआयामी दृ ष्टिकोण है यह राष्ट्रीय विकास तथा राष्ट्र निर्माण की मुरख्यधारा में महिलाओं की सक्रीय भागीदारी में विश्वास रखता है। महिला सशक्तिकरण का आशय महिलाएँ अपनी क्षमताओं और शक्तियों का पूर्ण प्रयोग करते हुए स्वयं निर्णय लेने में सक्षम हो सकें। गाँधीजी की स्त्री–पुरुष समानता की स्थिति में बदलाव का रास्ता जागृति व अहिंसा के द्वार से होकर गुजरता है।[2] राष्ट्रीय अपराध रिकोर्ड ब्यूरो के रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 2020 के मुकाबले महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 15% की वृद्धि हुई के साथ 4,28,278 मामले दर्ज हुए, महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 2021 मे 64.5% हो गई है, अधिकांश मामले (31.8%) महिलाओं के प्रति क्रूरता, गरिमा को ठेस पहुँचाने अपहरण, बलात्कार की श्रेणी में आते हैं। 2021 में घरेलू हिंसा के 507 केस व दहेज हत्या के 6589 मामले दर्ज हुए।[3] इन्ही घटनाओं के परिणामस्वरूप 2022 में भारत की लिंग अंतरसूचकांक रेटिंग 0.629 थी. 196 देशी में 135 वीं थे।[4]. उपरोक्त परिस्थितियाँ महिलाओं की दशा व दिशा को परिलक्षित व्यक्त करती हैं, निराशाजनक व भयावह परिस्थितियों के दुष्चक्र को समाप्त करने के लिए संविधान ने जहाँ एक ओर सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक समानता के साथ स्वतंत्रता प्रदान करके सामाजिक न्याय की स्थापना का आदर्श प्रस्तुत किया, जिसके सापेक्ष अनेक कानूनों व नियमों का निर्माण करके महिलाओं की स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है, इसी कड़ी में सांसद आदर्श ग्राम योजना'' महिला सशक्तिकरण महिला की एक अभिनव पहल साबित हो रही है, जिसमें, न सिर्फ राजनीतिक बल्कि सामाजिक व आर्थिक उन्नति की राह आसान की है।

शोध का उद्देश्य

''सांसद आदर्श ग्राम योजना'' महिला सशक्तिकरण में किस प्रकार सहायक है, महिलाओं के कौशल उनयन, आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य, शिक्षा, आयोजना व नेतृत्व क्षमता को विकसित करने में कहाँ तक सफल हुई।

शोध पद्धति

शोध को मौलिकता व वास्तविता प्रदान करने के लिए ''सांसद आदर्श ग्राम योजना'' के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गोद लिए वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के चार गाँवों जयापुर, परमपुर, डोमरी व नागेपुर के लोगों से 600 लोगों से प्राथमिक तथ्यों के संकलन के लिए प्राथमिक स्त्रोत के रूप में साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया, इसके साथ ही पर्यवेक्षात्मक व अनुभवात्मक पद्धति का प्रयोग किया।

द्वितीयक स्रोत के रूप में शासन की रिपोर्ट, कुछ पुस्तकें, शोध आलेखों, के माध्यम से शोध को मौलिकता प्रदान करने का प्रयास किया गया।

विश्लेषण

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनमें छुपे हुनर व कौशल को निखारकर सही दिशा प्रदान करके आर्थिक उपार्जन के अवसरों को विकसित करने की आवश्यकता है, तकि महिला आर्थिक रूप से परिवार पर आश्रित न होकर आत्मनिर्भर हो सके, जिससे उसमें, आयोजन निर्णयन क्षमता का विकास होगा जो सही अर्थों में महिला सशक्तीकरण दिशा प्रदान करेगा।

महिलाओं के कौशल विकास के लिए आदर्श ग्राम में प्रयास किए गए, जिसमें 600 उत्तरदाताओं ने भाग लिया जिनके उत्तर इस प्रकार प्राप्त हुए–

1.	सिलाई–कढ़ाई का प्रशिक्षण	–	218
2.	मुर्गी–बकरी पालन का प्रशिक्षण	–	137
3.	हथकरघा का प्रशिक्षण	–	136
4.	नकदी फसल का प्रशिक्षण	–	53
5.	कुछ भी नहीं	–	56

इस प्रकार विश्लेषण से प्राप्त हुआ कि कौशल विकास के लिए बहुआयामी प्रयास किए गए, योजना की महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भता प्रदान करने में महति भूमिका रही।

श्आर्थिक सशक्तिकरणश का अर्थ है। ऐसी पोषणीय जीविकाओं द्वारा बेहतर ढंग का भौतिक जीवन यापन, जिनकी स्वामिनी और

प्रबंधक महिलाएँ हैं।''[5] ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओ के आर्थिक सशक्तिकरण में स्व सहायता समूहों की भूमिका उल्लेखनीय है।'' स्व सहायता समूह एक जैसी समरूप ग्रामीणों निर्धनों द्वारा स्वेच्छा से गठित एक समूह है, जिसमें समूह के सदस्य अपने आप से जितनी भी बचत आसानी से कर सकते हो उसका अंशदान, उत्पादक, उपयोग अथवा आपातकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु ऋण के रूप में देने का तैयार रहता है।''[6]

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सम्मिलित गोवों में स्व सहायता समूहों को वरीयता प्रदान की गई।

आपके गांव में स्व–सहायता समूह का पंजीयन

ताालिका 1

जानकारी	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	564	94
नहीं	36	6
योग	600	100

प्राप्त आँकडों से यह सिद्ध होता है, 94: महिलाएँ उत्तरदाता इस बात से सहमत है कि उनके गाँव में स्व सहायता समूहों का पंजीयन है, और वह सुचारू रूप से संचालित होकर . महिलाओं को साख प्रदान करके एक ओर वाहाँ आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं वहीं दूसरी ओर उनमें आयोजना व नेतृत्व जैसे गुणों का भी विकास हो रहा है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निर्णयत क्षमता का होना अनिवार्य है, महिलाओं के पास अपना बैंक खाता होना आवश्यक है, ताकि वे अपने परिवार के साथ अथा आर्थिक नियोजन के निर्णय करने में सक्षम हो सके।

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सम्मिलित गाँवों में शोधार्थी ने अनुसूची के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों की जानकारी प्राप्त की, जिसके आंकडे इस प्रकार प्राप्त हुए

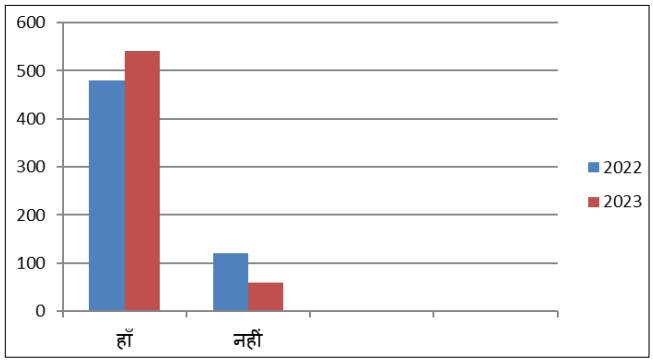

चित्र 1: महिलाओं का बैंक खाता

शोधार्थी के द्वारा 2022 एवं 2023 में आंकडों को जिसमें 2022 में आंकड़ो को जुटाया गया जिसमे 2022 में जहाँ 429 महिलाओं ने बैंक/ डाकखाना में खाते की बात स्वीकार की जबकि 2023 में बढ़कर आँकडा 541 तक पहुंच गया, जिससे स्पष्ट योजना के माध्यम से जागरूकता को बढ़ावा मिला तो एक सुखद स्थिति को उत्पन्न करती है।

गाँधीजी का मानना है कि आदर्श समाज एक राज्य– रहित लोकतंत्र है, प्रबुद्ध व जागृत अराजकता की अवस्था है, जिसमें सामाजिक जीवन इतनी पूर्णता पर पहुँच जाता है, कि वह स्वयं शासित और स्वयं नियंत्रित बना जाता है।[7] ऐसे समाज के निर्माण के लिए समाज की आधी आबादी को राजनीतिक जागरुकता, प्रतिनिधित्व व प्रशिक्षण के माध्यम से नेतृत्व करने में सक्षम बनाना अनिवार्य है, सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत महिलाओं के राजनीतिक नेतृत्व प्र प्रदान करने के लिए महिला ग्राम सभा'' के संगठन का प्रावधान किया गया, ताकि महिलाओं का राजनीतिक सशक्तिकरण करके नीति निर्माण में प्रत्यक्ष भूमिका का निर्वहन करके के निर्वहन द्वारा उनकी दशा व दिशा को सकारात्मक रूप से आयाम प्रदान किए जा सकें।

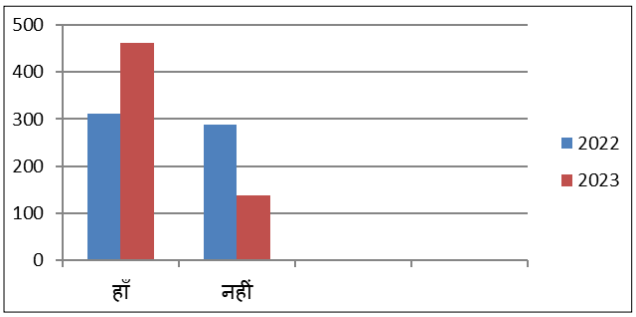

चित्र 2: आपके गाँव में महिला ग्राम सभा की स्थापना की गईः–

उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकडों के आधार पर कहा जा सकता है कि 2022 में जहाँ 312 उत्तरदाताओं ने स्व महिला ग्राम सभा, की बात को स्वीकार किया, जबकि 2023 में 463 उत्तरदाताओं ने महिला ग्राम सभा के गठन को स्वीकार किया, जो एक ओर महिलाओं में राजनीतिक भागीदारी में वृद्धि को दर्शाता है, जबकि दूसरी ओर इस यह ऑकडे इस बात की स्वीकारोक्ति स्वीकारोक्ति है कि पुरुष वर्ग महिलाओं के नेतृत्व को स्वीकार करके पूरकता का संबंध स्थापित करते करके नवीन समतामूलक समाज केनिर्माण को नई दिशा प्रदान कर रहा है।

चुनौतियों

स्त्रियों को समाज में बराबरी का दर्जा न देना, उसे पुरुषों के समकक्ष न समझना विकसित समाज की बड़ी विडम्बना है,एक सर्वेक्षण के अनुसार 52 वें मिनिट में महिला के साथ बलात्कार, प्रति 26 वें मिनट में स्त्री से मारपीट प्रति 43वें मिनट में अपहरण प्रति 102 ते मिनिट में वे दहेज के कारण स्त्री की मौत होती है।[8]

महिलाओं के सशक्तिकरण का आधार स्तंभ शिक्षा व स्वास्थ्य है, सांसद भारत की जनगणना 2011 के श्महिलाओं अनुसार की साक्षरता दर 65.46: है, जबकि पुरुषों की सारक्षरता दर 82.14: है, अर्थात पुरुषों के मुकाबले 16.68: महिलाओं की साक्षरता है, जो एक निराशाजनक स्थिति को प्रदर्शित करती है।[9]

सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत सम्मिलित गांवों में शिक्षा के स्तर की जानकारी के उत्तरदाताओं से पूछ गया आपके गांव में विद्यालय किस स्तर का है:–

ताालिका 2

जानकारी	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
5 वीं	348	58
8 वीं	188	31.33
10 वीं	59	9.83
12 वीं	5	0.83
योग	600	100.0

58% लोगों के अनुसार विद्यालय का स्तर वीं तक है, जबकि 31. 33% लोगों के अनुसार विद्यालय का स्तर 8 वी तक है, जबकि 0.83% के अनुसार 12 वीं तक विद्यालय है, यह एक निराशाजनक स्थिति है, गांवों में 8वीं प्राथमिक या माध्यमिक स्तर से ऊपर लड़कियों के लिए शिक्षा के अवसर नहीं, जिससे महिलाओं में ड्रॉप आउट का अनुपात अधिक है।

महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा व स्वास्थ्य की पर्याप्त सुविधाओं का अभाव, समाज की कटिवादी मानसिकता, समाज का अपराधीकरण असुरक्षा की भावना, जैसी चुनौतियां सामने आ रह दृष्टिगोचर हो रही है।

निष्कर्ष

सांसद आदर्श ग्राम योजना में ग्रामीण भारत के पुनर्निर्माण के तत्व समाहित है, यह महिलाओं के सशक्तिकरण व उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए उनमें आर्थिक स्वालंबन, उद्यमिता व कौशल विकास के भागीरथी प्रयास सम्मिलित है, जिसके माध्यम से महिलाओं में आत्मविश्वास आयोजना व नेतृत्व के गुण विकसित होंगे जिससे उनमें आत्मविश्वास व आत्मस्फूर्ती के भाव का संचार हुआ है, परंतु महिलाओं के लिए गांवों में संपूर्ण स्कूली शिक्षा व जहाँ तक संभव है। उच्च शिक्षा (खासकर औद्योगिक व कौशल विकास से संबंधित संस्थानों) की व्यवस्था की जाए, योजना के माध्यम से सामाजिक व सांस्कृतिक जागरुकता के माध्यम से समाज की रुढ़िवादी व पारंपरिक सोच को उत्तर आधुनिकता प्रदान की जाए ताकि महिलाओं को अपने सर्वांगीण व समन्वित विकास के अवसर उपलब्ध हो सके, निष्कर्षतः सांसद आदर्श ग्राम योजना ने महिलाओं के सशक्तिकरण में युगांतरकारी भूमिका का निर्वहन किया है ये, जो वास्तव में भारत सरकार की एक अभिनव पहल साबित हुई है।

संदर्भ सूची

1. डॉ. द्विवेदी राजेश प्रसाद (2016) भारत में महिला सशक्तिकरणः अवधारणा व मुद्देश ग्रामीण विकास समीक्षा अंक 57 पेज नं. 91
2. डॉ. जैन दीपा, डॉ. जैन लोकेश (२०१८) ''महिला सशक्तिकरण हेतु गांधी विचार एवं जैन दर्शनः की भूमिकाः एक अवलोकनश 8 ग्रामीण प्रिया समीक्षा अंक 57 पेजन 16
3- जर्नल ऑफ इंडिया, http://journalsofindia.com
4. https://en.m.wikipedia.org
5. डॉ. सौरभी मीनाक्षी (2016), ग्रामीण महिला सशक्तिकरण और स्व सहायता समूह ''ग्रामीण विकास समीक्षा अंक 57 पेज नं. 214
6. सिंह करतार (2009) रुरल डेवलपमेंट रू ''प्रिंसिपल्स, पॉलिसीज, ''एण्ड मैनेजमेंट'' महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल ऑफ रुरल एजुकेशन हैदराबाद, पेज ने 121
7. गाँधी महात्मा ''ग्राम स्वराज '' नवजीवन मुद्रणालय सातवां अंक (2015) पेज ने 75
8. प्रो शोभासिंह एवं तिवारी अनुजा (2016) महिला सशक्तिकरण यर्थाथ एवं चुनौतियाँ, ग्रामीण विकास समीक्षा अंक 57 पेज नं. 19
9. https://knowindia.india.gov.in